

Syllabi and S.O.E. for Minor Course(s) for UG Programs

SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR ABILITY ENHANCEMENT COURSE

FOR UNDER GRADUATE PROGRAMS (SINGLE MAJOR / MULTIDISCIPLINARY PROGRAMS)

(Based on Curriculum and Credit Framework
and formative assessment guidelines for UG Programs under NEP)



MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK (HARYANA)

To be applicable on the students w.e.f session 2024-25 (3rd semester onwards) and on the students w.e.f session 2025-26 (1st semester onwards)

SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR ABILITY ENHANCEMENT COURSE FOR UNDER GRADUATE PROGRAM (SINGLE MAJOR/ MULTIDISCIPLINARY PROGRAMS)

Name of the Department			Credits Distribution			Total Credits	Workload			Total Workload	Marks				
	Nomenclature of Course	Course Code	L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		Total Marks
											Internal	External	Internal	External	
Semester I/ Semester II															
Department of Hindi	Hindi Bhasha Sanvardhan (One)	23HNDX01AE01	2	0	0	02	2	0	0	02					50
Semester III/ Semester IV															
Department of Hindi	Hindi Bhasha Sanvardhan (Two)	24HNDX03AE01	2	0	0	02	2	0	0	02					50

L: Lecture; T: Tutorial; P: Practical

Note:

1. A student has to opt for one Ability Enhancement Course in first four semesters from the pool of the courses offered in the disciplines other than those of Major disciplines and Minor disciplines and the one not studied at 10+2 or equivalent level.
2. If the student opt for English as Ability Enhancement course (AEC) in the odd Semesters i.e. First & Third semesters, he/she shall have to opt for Hindi (or) Sanskrit in even semesters i.e. Second & Fourth Semesters and Vice-versa i.e. English may be selected in even semester (2&4) and Hindi (OR) Sanskrit in odd Semesters (1&3).

Syllabi and S.O.E. for Minor Course(s) for UG Programs

हिंदी भाषा संवर्धन-1

Semester I/ Semester II

Course Code	23HNDX01AE01	Course Credits	2(L:T:P:) (2:0:0)
Max. Marks	50(External		

Formative Assessment Evaluation Process:

	Marks distribution
Written test (2 X 5)	10
Peer discussion / Debate / Extempore speech (2X 10)	20
Role play	05
Essay / Article / Report writing	10
Attendance	05
Total	50

Course Objectives:

1. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के महत्त्व एवं गुणवत्ता से सुविज्ञ करवाकर हिन्दी की ओर उन्मुख करना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी-भाषा की वैज्ञानिकता के विषय में बतलाकर इसके गौरव से सुपरिचित करवाना।
3. हिन्दी भाषा के माध्यम से नवयुवक-नवयुवतियों को राष्ट्रीयता के पुनीत भावों की ओर उन्मुख करना।

Course Outcomes

1. शुद्ध हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि होगी।
2. व्यवसाय एवं रोजगार की उपलब्धता वाले सभी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा में निष्णात युवाओं की प्रतिभागिता में अभिवृद्धि होगी।
3. अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी-भाषा के वर्चस्व की स्थापना होगी और हिन्दी-भाषी को देश और विदेश में समुचित सम्मान मिलेगा।

इकाई-1

लिपि का मानकीकरण, मानक वर्णमाला, देवनागरी अंक माला, अनुस्वार और विसर्ग, अनुनासिक,

इकाई— II

सृजनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप: आलोचनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप: सृजनात्मक साहित्य का भाषा-विकास में महत्त्व,

इकाई— III

अनुवाद : अर्थ, परिभाषा और स्वरूपय अनुवाद का महत्त्व, अनुवादक के गुण, अनुवाद के प्रकार : अनुवाद में कंप्यूटर का योगदान, सीरियलों का हिंदी अनुवाद, बैंकिंग साहित्य का अनुवाद, अनुवाद-क्षेत्र में रोजगार

इकाई—IV

पत्र प्रस्तुतीकरण का अर्थ, पत्र प्रस्तुतीकरण और नवीन शोधात्मक वैचारिकता, पत्र प्रस्तुतीकरण और शिक्षक की भूमिका, प्रस्तोता का मनोबल, वक्तृत्व कला का विकास, शोधात्मक अभिरुचि का विकास

प्रेरणास्पद पुस्तकें :

1. डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, शुद्ध लेखन और हिन्दी का मानक रूप, विद्या भारती, संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)
2. सम्पा० कालिका प्रसाद, राजवल्लभ सहाय, मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव, बृहत् हिन्दी कोश: ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
3. मुख्य सम्पादक, डॉ० लक्ष्मीनारायण शर्मा, परिशोध, मानव-मूल्य विशेषांक, 1993
4. डॉ० धर्मपाल मैनी, भारतीय जीवनमूल्य, भारतीय संस्कृति संस्थान, गुड़गाँव
5. बृहत् प्रशासन शब्दावली, हिन्दी-अंग्रेजी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली-110006
6. बृहत् प्रशासन शब्दावली, अंग्रेजी-हिन्दी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली-110006
7. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, मानविकी, खंड- II, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
8. डॉ० अनन्त चौधरी, नागरी लिपि और हिन्दी-वर्तनी बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना-3
9. डॉ० सुरेश सिंहल, अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली-6
10. डॉ० सुरेश सिंहल, प्रयोजनमूलक अनुवाद, मोनिका प्रकाशन, दिल्ली-110053

हिंदी भाषा संवर्धन-3

Semester III/ Semester IV

Course Code	24HNDX03AE01	Course Credits	2(L:T:P:) (2:0:0)
Max. Marks	50		

Formative Assessment Evaluation Process:

	Marks distribution
Written test (2 X 5)	10
Peer discussion / Debate / Extempore speech (2X 10)	20
Role play	05
Essay / Article / Report writing	10
Attendance	05
Total	50

1. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के महत्त्व एवं गुणवत्ता से सुविज्ञ करवाकर हिन्दी की ओर उन्मुख करना।
2. रोजगार एवं व्यवसाय के क्षेत्र में हिन्दी को प्रतिष्ठित करना।
3. हिन्दी की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा करना।

Course Outcomes:

1. शुद्ध हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि होगी।
2. व्यवसाय एवं रोजगार की उपलब्धता वाले सभी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा में निष्णात युवाओं की प्रतिभागिता में अभिवृद्धि होगी।
3. अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी-भाषा के वर्चस्व की स्थापना होगी और हिन्दी-भाषी को देश और विदेश में समुचित सम्मान मिलेगा।

इकाई-1

पत्रकारिता का अर्थ, उद्भव और विकास, वर्तमान समय में पत्रकारिता का महत्त्व, हिंदी पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाएँ, समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, प्रेस विज्ञप्ति, समाचार लेखक की भाषा,

इकाई – II

प्रूफ संशोधन की परिभाषा, प्रूफ शोधक के आवश्यक गुण, प्रूफ के प्रकार, प्रूफ संशोधन के महत्त्वपूर्ण चिह्न, प्रूफ रीडर के लिए आवश्यक सावधानियाँ, प्रूफ संशोधन में रोजगार,

इकाई- III

साक्षात्कार का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप: कैरियर में साक्षात्कार कौशल का महत्त्व, समालाप्य की भाषा, सम्प्रेषण: अर्थ, परिभाषा एवं प्रक्रिया: भाषा-संप्रेषण के चरण: श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन, लेखन: सम्प्रेषण को प्रभावी बनाने के नियम

इकाई- IV

जीवन कौशल का अर्थ एवं स्वरूप: जीवन कौशल की विशेषताएँ, जीवन कौशल की आवश्यकता एवं महत्त्व, जीवन कौशल के आधार: स्वावलंबन, सहयोगपूर्ण भावना, समस्या समाधान की योग्यता, ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति, कुशाग्रता, चातुर्य, मधुर भाषी, संवेदनशील, स्व-जागरूक, अन्वेषणात्मक दृष्टिकोण, उदात्त सुदृढ़-मनोबल, निश्चयात्मकवृत्ति:

प्रेरणास्पद पुस्तकें :

1. डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, भाषा और भाषाविज्ञान, लक्ष्मी पब्लिशिंग हाऊस, रोहतक 3.
2. सम्पा० कालिका प्रसाद, राजवल्लभ सहाय, मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव, बृहत् हिन्दी कोश: ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
3. मुख्य सम्पादक, डॉ० लक्ष्मीनारायण शर्मा, परिशोध, मानव-मूल्य विशेषांक, 1993
4. डॉ० धर्मपाल मैनी, भारतीय जीवनमूल्य, भारतीय संस्कृति संस्थान, गुड़गाँव
5. बृहत् प्रशासन शब्दावली, हिन्दी-अंग्रेजी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली-110